नीतिआयोग ने जारी की रिपोर्ट : गरीबी कम करने में उत्तर प्रदेश सभी राज्यों में अव्वल

चर्चा में क्यों?

17 जुलाई, 2023 को नीतिआयोग ने सभी राज्यों की प्रगति के संबंध में मल्टीडाइमेंशनल पावर्टी इंडेक्स-2023 की नवीनतम रिपोर्ट जारी की, जिसमें उत्तर प्रदेश गरीबों की संख्या घटाने के मामले में पूरे देश में अव्वल रहा है।

प्रमुख बिंदु

- मल्टीडाइमेंशनल पावर्टी इंडेक्स-2023 की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार पूरे देश में गरीबी का प्रतिशत 24.85 से घटकर 14.96 प्रतिशत हो गया है। बहुस्तरीय गरीबी में शिक्षा स्वास्थ्य व जीवन स्तर के मानक भी शामिल हैं।
- उत्तर प्रदेश में 3 करोड़ 42 लाख 72 हज़ार 484 लोग बहुस्तरीय गरीबी से बाहर आ गए हैं। इस कारण 2015-16 के मुकाबले 2019-21 में राज्य में कुल आबादी में गरीबों का प्रतिशत 37.68 से घटकर 22.93 हो गया है।
- इसके बाद बिहार, मध्य प्रदेश, उड़ीसा व राजस्थान गरीबी दूर करने में प्रमुख राज्य रहे हैं।
- बहुस्तरीय मानक पर गरीबों की संख्या प्रतिशत में :

गरीबी के मानक	**वर्ष 2015-16**	**वर्ष 2019-21**
पोषण	30.40	18.45
शिशु मृत्यु दर	3.81	2.20
मातृ स्वास्थ्य	25.20	15.97
स्कूल उपस्थिति	9.96	7.62
ईंधन	34.24	17.95
सफाई	31.74	11.91
पेयजल	2.09	0.93
बिजली	18.34	4.98
आवास	33.35	19.56
संपत्ति	8.86	4.22
बैंक खाते	4.8	2.96

- गरीबी में कमी वाले उत्तर प्रदेश के दस ज़िले:

ज़िले	**आई कमी (प्रतिशत में)**
महाराजगंज	-29.64
गोंडा	-29.55
बलरामपुर	-27.90
कौशांबी	-25.75
खीरी	-25.23
श्रावस्ती	-24.42
जौनपुर	-24.65
बस्ती	-23.36
गाजीपुर	-22.83
कुशीनगर	-22.28
चित्रकूट	-21.40

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/niti-aayog-s-report-up-tops-among-all-states-in-reducing-poverty